>

Title: Need to check and punish the people involved in adulteration of milk products in the country.

श्री गणेश सिंह (सतना): मैं माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री का ध्यान देश की राजधानी दिल्ली सहित अन्य राज्यों में नकली मिलावटी एवं सिन्थैटिक दूध एवं पनीर, खोया जो धड़ल्ले से बनाया व बेचा जा रहा है, की ओर आकर्षित कराना चाहता हूं।

आज पूरे देश में नकली, मिलावटी एवं सिन्थैटिक दूध एवं पनीर, खोया धड़ल्ले से बनाया और बेचा जा रहा है जो देश के नागरिकों के स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक है। इस नकली मिलावटी सिन्थैटिक दूध के सेवन से बीमारियां बढ़ने के साथ-साथ बच्चों, महिलाओं, पुरूषों एवं वृद्धों के जीवन को भी बड़ा खतरा है। सभी विभिन्न बीमारियों से ग्रस्त हैं।

बात सिर्फ बीमारी से ग्रस्त होने की नहीं है, इस मिलावटी जहरीले सिन्थैटिक दूध के सेवन से लीवर, दिल, कैंसर एवं शुगर जैसी भयानक बीमारियां होने का खतरा बढ़ रहा है। ग्वाला गद्दी नामक एक संस्था द्वारा किए गए सर्वे से पता चला है कि कुछ ही वर्षों में भारत शुगर के मरीजों का केन्द्र बन जाएगा। अध्यक्ष महोदया, हम कृषि प्रधान देश में रहते हैं और हमारा इस ओर ध्यान देना नितांत आवश्यक है। एक स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क की कल्पना की जा सकती है और एक स्वस्थ मस्तिष्क ही देश, समाज और अपने परिवार को विकासशील बना सकता है। शरीर स्वस्थ रहने पर अरबों रूपयों की दवाइयां जो आयात की जाती हैं, उसकी बचत होगी। रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ेगी। देश में प्राकृतिक दूध उत्पादन को बढ़ावा देना चाहिए।

अतः इस संबंध में मेरा आग्रह है कि नकली मिलावटी सिन्थैटिक दूध एवं पनीर, खोया बनाने वाले गिरोहों को पकड़ने एवं इनके विरूद्ध कठोर से कठोर कार्यवाही करने हेतु निर्देश जारी किए जाए तथा कठोर कानून बनाया जाए।